

बुआजी की चिट्ठी

(पत्र)

12



तनु, सौरभ और दिशा तीनों अपने कमरे में उदास बैठे सोच रहे थे कि क्या उनकी गर्मी की सारी छुट्टियाँ ऐसे ही खाली बैठे-बैठे व्यतीत हो जाएँगी। कोई भी उनके बारे में कुछ सोच ही नहीं रहा। पिछली बार तो जैसे ही उनकी छुट्टियाँ शुरू हुईं, पापा तीनों को नानी के घर छोड़ आए थे। वहाँ पर उन्होंने जो धमा-चौकड़ी मचाकर मजे किए, उन्हें वह सब याद करके आज और भी बुरा लग रहा था। दिशा बता रही थी कि उन दिनों कैसे उसने रबड़ वाला चूहा सारे घरवालों के बिस्तर में डालकर सबको परेशान किया था। और छोटी मामी तो बिस्तर से जैसे उछल ही पड़ी थीं। तभी तनु बीच में बोल पड़ी, “दिशा याद है, जब मामा हमें खेत दिखाने ले गए थे और ट्यूब-वैल पर नहाते हुए सौरभ का पैर फिसल गया था.... और वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा था। बच्चे यही सब बातें कर ही रहे थे कि अचानक दादी कमरे में आ गईं। तीनों बच्चे फिर से शांत होकर बैठ गए। दादी बोली, “तुम्हारी बुआ की चिट्ठी आई है और उन्होंने तुम्हें बुलाया है।” इतना सुनते ही तीनों बच्चे लोमड़ी की तरह उछलकर दादी के हाथ से चिट्ठी छीनने की कोशिश करने लगे। तब दादी ने चिट्ठी को पढ़ना शुरू किया—



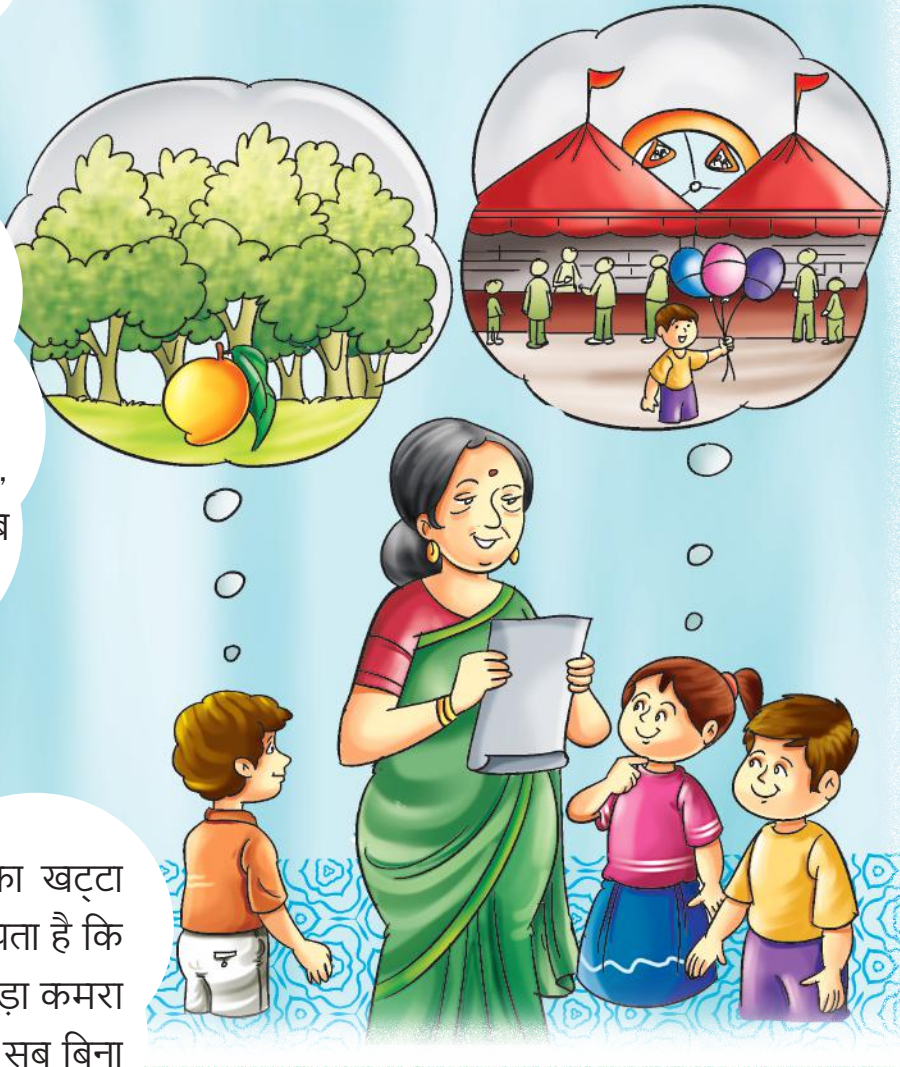
प्रिय,

सौरभ, दिशा और तनु! तुम सबको ढेर सारा प्यार!

मुझे पता चला है कि तुम्हारी गर्मियों की छुट्टियाँ हो गई हैं और इस बार अभी तक तुम लोगों का कहीं जाने का कोई प्रोग्राम नहीं बना है। इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न इस बार तुम तीनों मेरे पास आ जाओ। यहाँ पर सूरज व सलोनी की भी छुट्टियाँ हो गई हैं और वे भी कहीं नहीं जा रहे, क्योंकि उन्होंने इस बार तुम सबके साथ मिलकर कुछ अलग ढंग से छुट्टियाँ मनाने की प्लानिंग की है। अभी कुछ



दिनों बाद हमारे गाँव में एक बड़े मेले का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी-बड़ी दुकानों के साथ ऊँचे-ऊँचे झूले, घोड़ा-गाड़ी, नट, मदारी आदि के साथ भी बहुत कुछ आने वाला है। और तुम्हें याद होगा, एक बार जब तुम सब पहले यहाँ आये थे तो तुम्हारे फूफाजी पास ही दीनू काका के आम के बाग में लेकर गए थे, जहाँ तुमने अपनी पसंद के आम खूब जमकर खाए थे। इस बार उनके बगीचे में, आम के साथ-साथ अंगूर, संतरे और लीची के फल तैयार हो गए हैं और उन्होंने तुम सबको बुलाया भी है। मैंने तुम सबके लिए आम का खट्टा और मीठा अचार भी बनाया है। तुम्हें पता है कि तुम्हारी सलोनी दीदी ने घर का एक बड़ा कमरा सिर्फ इसीलिए तैयार किया है कि तुम सब बिना किसी परेशानी के मिलकर छुट्टियों का आनंद उठा सको। मैं एक-दो दिन में तुम्हें लेने तुम्हारे फूफा जी को भेज दूँगी, तुम सब तैयार रहना। माँ को और भैया-भाभी को मेरा प्रणाम कहना। तुम सबको बहुत-बहुत प्यार।



तुम्हारी प्यारी बुआ,
संगीता

चिट्ठी पढ़ते ही सारे बच्चे खुश हो गए और वे अपने खिलौने व कपड़े पैक करने लगे।

शब्द - अर्थ

व्यतीत करना — बिताना (spend),
प्लानिंग — योजना (planning),
आनंद — मजा (entertainment)।

ढंग — तरीका (way),
नट — खेल, करतब दिखाने वाले (the man,
who steps on the high rope),



अभ्यास



मौखिक



1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए—

चिट्ठी

छुट्टियाँ

धमा-चौकड़ी

बिस्तर

प्रोग्राम

ढंग

नट

आनंद

प्लानिंग

व्यतीत करना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—

- (क) दादी जी किसकी चिट्ठी लेकर कमरे में आई?
(ख) पिछली गरमियों की छुट्टी में तीनों कहाँ गए थे?
(ग) रबड़ का चूहा घर वालों के बिस्तर में किसने डाला?
(घ) सूरज, सलोनी व तनु, सौरभ और दिशा रिश्ते में क्या लगते थे?



लिखित



1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए—

(क) गर्मी की सारी छुट्टियाँ व्यतीत हो जाएँगी—

खाली बैठे-बैठे

सोचते हुए

सोते हुए

(ख) दिशा ने कैसा चूहा बिस्तर में डाला?

प्लास्टिक का

रबड़ का

सचमुच का

(ग) बिस्तर से कौन उछल पड़ा था?

बुआजी

सौरभ

छोटी मामी जी

(घ) सलोनी ने कमरा तैयार किया—

छुट्टियों के लिए

गर्मी के लिए

सरदी के लिए

2. वाक्यों को पूरा कीजिए—

- (क) कोई भी उनके बारे में कुछ ही नहीं रहा।
(ख) तुम सबके लिए आम का अचार बना दिया है।
(ग) बगीचे में आम के साथ-साथ लीची के फल तैयार हो गए हैं।
(घ) वे अपने पैक करने लगे।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत वाक्यों के सामने (X) का निशान लगाइए—

- (क) नानी की चिट्ठी आई थी।
(ख) पिछली छुट्टियों में तीनों मौसी के घर गए थे।
(ग) ट्यूब-वैल पर सौरभ का पैर फिसल गया था।
(घ) तनु, सौरभ और दिशा को बुआ जी ने बुलाया था।



4. सही मिलान कीजिए—

- | | |
|-----------------------|-------------------|
| (क) छुट्टियाँ हुई थीं | (i) सौरभ का |
| (ख) पैर फिसला था | (ii) दादी |
| (ग) अचानक कमरे में आई | (iii) गर्मियों की |

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

- (क) सौरभ, तनु और दिशा उदास क्यों थे?
- (ख) ट्यूब-वैल पर नहाते हुए किसका पैर फिसल गया था?
- (ग) मेले में क्या-क्या आने वाला था?
- (घ) बुआजी ने सबके लिए क्या बनाया था?



भाषा-ज्ञान



1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए—

- (क) घर —
(ख) बाग —
(ग) प्यार —

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

- (क) गर्मी —
(ख) पसंद —
(ग) बच्चे —
(घ) उदास —
(ङ) आनंद —

वे शब्द, जो संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे— मैं, वह, वे, हम, आदि।



क्रियात्मक गतिविधि



- तनु, दिशा और सौरभ को बुआजी ने चिट्ठी में बहुत सारी बातें लिखी हैं, अब आप दिशा की तरफ से बुआजी की चिट्ठी का जवाब दीजिए।
- कुछ डाक टिकट संग्रह करके यहाँ चिपकाइए—

